मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MVS–001

एम. ए. (वैदिक अध्ययन)

(एम. ए. वी. एस.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2026

एम.वी.एस.-001 : वेद-वेदांग परिचय

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में विभक्त है।*

(ii) दोनों खण्ड अनिवार्य हैं।

(iii) खण्डों में दिए निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—क

निर्देश: *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 15 अंक निर्धारित हैं।* $4 \times 15 = 60$

1. सामवेद संहिता का परिचय लिखिए एवं सामगान प्रविधि का वर्णन कीजिए।

2. वेद का तात्पर्य लिखिए और वैदिक ऋषियों के योगदान और ऋषितत्व का वर्णन कीजिए।
3. यजुर्वेद संहिता का विस्तार से वर्णन कीजिए।
4. आरण्यक–ग्रन्थों का प्रतिपाद्य विषय विस्तारपूर्वक लिखिए।
5. ब्राह्मण–ग्रन्थ का तात्पर्य बताते हुए ब्राह्मण–साहित्य का परिचय लिखिए।
6. उपनिषद्–साहित्य की विषयवस्तु का विवेचन कीजिए।
7. आरण्यक साहित्य का परिचय लिखते हुए आरण्यकों के प्रतिपाद्य विषय का वर्णन कीजिए।
8. उपनिषदों से प्राप्त शिक्षाओं का विस्तृत वर्णन कीजिए।

खण्ड—ख

निर्देश: *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।* $4\times10=40$

9. ऋग्वेद संहिता का प्रतिपाद्य विषय लिखिए।
10. अथर्ववेद संहिता का वर्णन कीजिए।
11. आरण्यक से क्या समझते हैं ? आरण्यक साहित्य के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।
12. निरुक्त का प्रयोजन बताते हुए इसके प्रतिपाद्य का वर्णन कीजिए।

13. शिक्षा–ग्रन्थों के प्रतिपाद्य का वर्णन कीजिए।

14. व्याकरणशास्त्र की आचार्य परम्परा का उल्लेख कीजिए।

15. कल्प से क्या तात्पर्य है ? कल्प में वर्णित विषयों का परिचय लिखिए।

16. छन्द:शास्त्र का परिचय देते हुए, इसके प्रयोजन का वर्णन कीजिए।

17. ज्योतिषशास्त्र का प्रयोजन लिखिए और ज्योतिष का परिचय दीजिए।

× × × × ×